RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID-4000004011

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

# भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 11 | मूल्य - रू.1/- | नवंबर 2018 | पृष्ठ - 8

## राष्ट्रीय अधिवेशन 2018

15-16 दिसम्बर 2018

# बैंगलौर में

## आपके स्वागत हेतु तत्पर

## भारतीय जैन संघटना

राष्ट्रीय अधिवेशन में आपकी उपस्थिति हेतु प्रार्थना,
आज ही रजिस्ट्रेशन करें

**Register Now-http://bjsindia.org/convention**

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
Jains for India

प्रिय आत्मजन,

# आमंत्रण - राष्ट्रीय अधिवेशन, बैंगलोर

कहते हैं कि 'समय को पंख लगे होते हैं'. यह उक्ति पूर्णतः सत्य होती प्रतीत हो रही है क्योंकि दिसंबर, 2016 में चैन्नई में राष्ट्रीय अधिवेशन को आयोजित हुए 2 वर्ष होने आये किन्तु लगता है जैसे कुछ दिनों या कुछ माह पूर्व की घटना हो. चैन्नई में भारतीय जैन संघटना तमिलनाडू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन उसकी भव्यता के साथ उद्देश्यों की कसौटी और आगामी दो वर्षों के संस्था के कार्यकलापों के निर्धारण में मील का पत्थर साबित हुआ है. जैन समाज के देश-विदेश से आये तीन हजार से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का चैन्नई में आयोजन निश्चित ही उस दृढ़ संकल्प शक्ति का परिचायक था जिस हेतु जैन समाज विख्यात रहा है. राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भारतीय जैन संघटना के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के लक्ष्यबद्ध क्रियान्वयन पर उपस्थित जनसमूह द्वारा स्वीकृति की मोहर लगाना, एक ऐसा ऐतिहासिक क्षण था जिसमें नवीन सामाजिक क्रांति के उद्घोष का शंखनाद हुआ और साथ ही वह इतिहास रचा गया जो जैन समाज को ही नहीं अपितु देश को नई दिशा देने के लिए पर्याप्त था.

भारतीय जैन संघटना की कार्यप्रणाली में राष्ट्रीय अधिवेशन का विशेष महत्व है क्योंकि यह संस्था उसके समाजतंत्रीय कार्यप्रणाली की अनुगामी है और देश के जैन समाज को साथ मे लेकर चलने में उसे महारथ प्राप्त है. भारतीय जैन संघटना के वर्ष 2012 में आयोजित रजत जयंती वर्ष राष्ट्रीय अधिवेशन में 'Jains for India' की अवधारणा को आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथा ने प्रस्तुत किया था और गत 6 वर्षों में जैन समुदाय ने उसकी कार्य संस्कृति और धार्मिक सिद्धांतो को आचरण और व्यवहार के स्तर पर रूपांतरण से यह प्रमाणित किया है कि समाज, देश और राष्ट्र उसके सीने में सुलगते रहते हैं. मुझे अत्यंत ही हर्ष के साथ आपको सूचित करना है कि समाज और सामाजिक आधारों को सुदृढ़ बनाने के कार्यक्रमों और राष्ट्रीय समस्याएं जैसे प्राकृतिक आपदाएं आदि में जैन समाज की जो रचनात्मक भूमिका गत कुछ वर्षों में रही है वह निश्चित ही देश और दुनियां को नई राह दर्शाने वाली प्रमाणित हो रही है, जिनका अनुकरण देश ही नहीं अपितु भविष्य में विश्व भी करेगा.

मित्रों! संस्था का आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन 15 व 16 दिसंबर, 2018 को बैंगलोर (कर्नाटक) में आयोजित होगा, जिसमें 'Jains for India' की अवधारणा को समाज व देश हित में अधिक बलवती बनाने हेतु संकल्पबद्धता रहेगी. राष्ट्र निर्माण की यात्रा में तथा समाज को बेहतर और सुदृढ़ सामाजिक आधार देने की कार्य योजनाओं में आपका हाथ और आपका साथ दोनों ही आवश्यक होंगे. गत दो शताब्दियों में समाज उत्थान और विकास तथा राष्ट्र निर्माण में देश के जैन समाज की प्रशंसनीय, रचनात्मक एवं परिणामलक्षी भूमिका रही है. इसी संस्कृति का निर्वहन हम सभी का सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्तरदायित्व है. सम्पूर्ण संवेदनशीलता एवं सजगता के साथ इस अधिवेशन में 'Jains for India' की अवधारणा को संदर्भित करते हुए जैन समाज की राष्ट्र निर्माण में उसके अंशदान की आगामी 2 वर्षों की कार्ययोजना का निर्धारण होगा जिसमें आप सभी की सहभागिता की प्रार्थना करता हूं.

हम पुनः आपसे इस राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थित रहने की प्रार्थना करते हैं. सभी प्रतिनिधियों के ठहरने, भोजन, परिवहन आदि की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहेगी. आपसे प्रार्थना है कि आज ही आपका पंजीयन www-bjsindia-org/convention पर कर हमें सहयोग करें. हम आपको सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने हेतु तत्पर रहेंगे.

**प्रफुल्ल पारख**
राष्ट्रीय अध्यक्ष


संपादक
**प्रफुल्ल पारख**, पुणे

कार्यकारी संपादक
**निरंजन कुमार जुंवा जैन**, अहमदाबाद

सदस्य
**कैलाशमल दुगड़**, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
**महेश कोठारी**, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

मंथन

# 'Jains for India' एक वैचारिक अवधारणा

मानव सभ्यताओं के उद्भव एवं तत्पश्चात् उसकी उत्थान एवं विकास यात्रा को स्थायी बनाने हेतु समाज नाम की संस्था अस्तित्व में आयी. समाज नामक संस्था का मुख्य कार्य मानव जीवन को शांतिमय एवं प्रगतिशील बनाना है. सम्पूर्ण विश्व में राजा एवं प्रजा के मध्य सामाजिक संतुलन बनाए रखने का उत्तरदायित्व भी समाज नामक संस्था ने बखूबी निभाया है. विश्व का कोई भी देश हो, समाज ने उसके द्वारा प्रतिपादित नियमों से कानून व्यवस्थाओं का निर्वहन पुख्ता तरीके से सुनिश्चित किया है. भिन्न कालों में समाज के स्वरूपों में तथा उसके आधारों में परिवर्तन होते रहे हैं जो सामाजिक व्यवस्थाओं में स्वीकृत लचीलेपन को भी प्रमाणित करते रहे हैं.

अर्वाचीन काल में प्रचलित वर्ण व्यवस्था की समाप्ति पर वर्ग व्यवस्था अस्तित्व में आयी. परिणामस्वरूप देश के सामाजिक ढांचे में मूलभूत परिवर्तन का दौर प्रारम्भ हुआ. देश का समाज मुख्यतः धर्मगत एवं जातिगत सामाजिक व्यवस्थाओं में बट गया. सिक्के की दो बाजुओं की तरह इस सामाजिक व्यवस्था के भी गुण और अवगुण रहे. देश के प्रत्येक धार्मिक एवं जाति आधारित समाजों ने उसके सदस्यों को सामाजिक नियमों में बांधे रखकर सामाजिक व्यवस्थाएँ बनाए रखने का भरपूर प्रयास किया. किन्तु काल परिवर्तन के दौर में उत्पन्न हुई संक्रमणकाल की स्थिति के कारण समाज क्रमिक रूप में कमजोर पड़े और उद्देश्यों से भटक कर देश तथा राष्ट्र निर्माण में उनके रचनात्मक अंशदान से विमुख होने लगे.

देश की धर्मगत एवं जातिगत सामाजिक व्यवस्था में 'जैन' समाज का नाम कुछ शताब्दियों पूर्व से ही आदर के साथ लिया जाता रहा है. सामाजिक उत्थान एवं विकास से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सदैव तत्पर रहने वाला यह एक सुसंकृत समाज है. जिसने पूर्व में राज्यों तथा वर्तमान में देश को निश्चित दिशा देने का उत्तरदायित्व बखूबी निभाया है. राजे-रजवाड़ों में मुख्य पदों पर जैन समाज के सदस्य सुशोभित होते रहे वहीं परोपकार, जीव-दया और शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से अतुलनीय कार्य करने वाला यह देश का एकमात्र समाज है. भिन्न कालों एवं शताब्दियों में उसके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थान आज भी कार्यरत हैं व प्रतिवर्ष विभिन्न जाति-धर्म के लाखों विद्यार्थी इन शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. देश की कुल जनसंख्या में जैन समाज का अनुपात आधे प्रतिशत से कभी अधिक नहीं रहा जबकि वह उसकी उपस्थिति सभी राज्यों सहित सम्पूर्ण देश में दर्ज करवाता रहा है. तात्विक रूप से जैन समुदाय लोकोपकारी है. सामान्यतः उसके संसाधन वृहद रूप से समाज कल्याण हेतु खर्च किये जाते रहे हैं. जैन स्वभावतः धार्मिक होते हैं और साथ ही उनके व्यक्तिगत एवं सामाजिक आचरण जैन मूलभूत सिद्धांतों जैसे अहिंसा, सत्य और अनेकान्तवाद आदि से निर्देशित होते हैं. ये सिद्धांत समाज उत्थान एवं विकास के बुनियादी उपादान हैं, जो शीघ्रता से बदलते विश्व हेतु विश्वसनीय एवं सर्वस्वीकृत भी हैं.

भावनाओं एवं दूरदृष्टि के मद्देनजर समाज के वृहद् लाभ हेतु जैन समुदाय सीमाओं से परे कार्य करने को तत्पर रहता है. जैन समुदाय सदैव से ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रचनात्मक अंशदान से समृद्धि व वृद्धि को समाज के सभी तबकों तक पहुँचाता रहा है. इन उद्देश्यों की प्राप्ति करने मे जैन समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने समय-समय पर महत्वपूर्ण एवं परिणामलक्षी भूमिका अदा की है और कर भी रहीं हैं. समाज को पुष्टता प्रदान करने में जैन सामाजिक संस्थाओं ने क्षेत्र विशेष में उनकी क्षमताओं एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्यरत रह कर राष्ट्र विकास की प्रक्रियाओं को सुनिश्चित किया है.

जैन समाज की राष्ट्रस्तरीय संस्था भारतीय जैन संघटना एक ऐसा ही सामाजिक संगठन है जो सदैव से ही राष्ट्रीय समस्याओं को पहचानने तथा समाधान ढूंढने में अग्रणी तो रहा ही है साथ ही वह नई विचारधारा एवं कार्यप्रणाली से नव-सामाजिक क्रांति का उद्घोष भी करता रहा है. विशेषकर सामाजिक क्षेत्र में लक्ष्य समूहों चाहे वे बच्चे हो या महिलाएं, प्राकृतिक आपदाग्रस्तों, किसानों तथा आदिवासियों, युवतियों एवं छात्राओं की सामाजिक एवं भावनात्मक सक्षमता आदि विषय पर कार्यरत है. वह शिक्षण संस्थाओं विशेषकर विद्यालयों की गुणवत्ता विकास तथा मूल्यवर्धित शिक्षा देने आदि पर राष्ट्रीय उत्तरदायित्वों के अधीन कार्यरत है. वह अविरत रूप से बदलती सामाजिक आवश्यक्ताओं तथा समय-समय पर उत्पन्न हो रही समस्याओं के निदान हेतु कार्ययोजनाओं का निर्माण कर राष्ट्रीय स्तर पर उनका क्रियान्वयन करता है. हालांकि वर्तमान में बहुआयामी चुनौतियां हैं, जो किसी क्षेत्रीय संस्था के लिए चाहे वह कितनी ही उत्कृष्ट कार्यप्रणाली से सुसज्जित क्यों न हो, अकेले परिणामलक्षी कार्य करना दुष्कर है. अतः भारतीय जैन संघटना ने सामूहिकता से कार्य करने का निर्णय लिया ताकि राष्ट्र निर्माण में तथा लोगो की जीवन पद्धति को बेहतर बनाने के कार्य सफलता से कर सके. यह संस्था जैन समाज का रचनात्मक अंशदान राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सुनिश्चित करते हुए उसके हजारों सदस्यों को साथ में ले कर चल रहा है. यह हर्ष का विषय है कि जैन समाज बदलते सामाजिक परिवेश में भारतीय जैन संघटना के नेतृत्व में कुछ ऐसी कार्यसूची पर कार्यरत है जो इस देश में नई किन्तु परिणामलक्षी कार्यपद्धति को जन्म दे रही है.

मानव जीवन श्रेष्ठ बनाने हेतु जैन समाज के पास क्षमताएँ हैं, संसाधन हैं, ज्ञान है और उसमें समाज को वापस देने की भावनाएं हैं. निश्चिततौर पर उसमें संजोये स्वप्नों को साकार करने की दृढ़ शक्ति है. मात्र सदुपयोग करने की और समय के साथ चलने की आवश्यकता है. निश्चित ही आज समय हमें झखझोर रहा है. हमें हमारे विचारों, अवधारणाओं तथा दृष्टिकोण में परिवर्तन लाकर जड़ विचारधाराओं को त्यागना होगा. हमें हमारे समुदाय की सीमाओं के बाहर निकलकर राष्ट्रहित में अधिक विचार और कार्य करना होगा.

सकारात्मक सोच के साथ हमें गर्व से कहना है कि जैन समाज देश के लिए हैं. हम देश की उन्नति, प्रगति और विकास के लिए हैं. हम आत्म विश्वास से भरा स्वनिर्भर समाज का निर्माण चाहते हैं जो स्वतंत्रता, समानता, न्याय और भ्रातृत्वभाव के सिद्धांतों का पालन करता हो. हमें अनुसरण नहीं नेतृत्व प्रदान कर विश्व को अहिंसा और सत्य की खोज हेतु प्रेरित करना है.

# राष्ट्रीय अधिवेशन-2016, चैन्नई में निर्धारित लक्ष्यों एवं अब तक की लक्ष्य प्राप्ति

## मूल्यवर्धन शिक्षण :

**उद्देश्य :** स्कूली बच्चे शिक्षा ग्रहण के साथ– साथ भारतीय संविधान के चार आधारभूत मूल्यों को ग्रहण कर अच्छे लोकतांत्रिक नागरिक बनाना.

**लक्ष्य प्राप्ति: 22 लाख 78 हजार विद्यार्थियों का मूल्यवर्धन द्वारा शिक्षण प्रारम्भ किया गया (मात्र 2 वर्षों में)**

## शैक्षणिक पुनर्वसन :

**उद्देश्य :** आपदाग्रस्त परिवारों के अनाथ बच्चों का 5वीं से 12वीं तक नि:शुल्क शैक्षणिक पुनर्वसन.

**लक्ष्य प्राप्ति: 1000 बालक/बालिकाओं का शैक्षणिक पुनर्वसन 2 वर्ष में हासिल**

**पुणे स्थित वाघोली शैक्षणिक पुनर्वसन प्रकल्प एवं सतारा के रयत शिक्षण संस्थान में महाराष्ट्र के आत्महत्याग्रस्त किसान एवं आदिवासी परिवारों के 1000 बालक/बालिकाओं का शैक्षणिक पुनर्वसन के 3 वर्ष के लक्ष्य को भी 2 वर्ष में प्राप्त कर लिया गया.**

## स्मार्ट गर्ल :

**उद्देश्य :** किशोर-वय लड़कियों में स्वयं तथा आसपास के वातावरण के लिए योग्य निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना.

**लक्ष्य प्राप्ति: 3,20,995 लड़कियों को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम द्वारा सक्षम किया गया (मात्र 2 वर्ष में)**

निर्धारित लक्ष्य: 45 लाख विद्यार्थियों को मूल्यवर्धन शिक्षण (3 वर्षों में)

निर्धारित लक्ष्य: 1,000 विद्यार्थियों का शैक्षणिक पुनर्वसन.

निर्धारित लक्ष्य: 2 लाख 50 हजार लड़कियों का सक्षमीकरण.

निर्धारित लक्ष्य: 5,000 प्रत्याशियों हेतु परिचय सम्मेलन.

**निर्धारित लक्ष्य: 3,000 गांवों को अकाल मुक्त करना (3 वर्षों में).**

## अकाल मुक्ति :

**उद्देश्य :** महाराष्ट्र के गाँवों को अकाल मुक्त करना..

**लक्ष्य प्राप्ति: 3,400 गाँवों को अकाल मुक्त करने का कार्य किया गया.**

**महाराष्ट्र अकाल मुक्ति अभियान:**

पानी फाउंडेशन की 'सत्यमेव जयते वाटर कप स्पर्धा' में सहभागी 30 तहसीलों के 350 गांवों को बीजेएस द्वारा वर्ष 2017 में 490 जेसीबी/पोकलेन मशीनों से तथा वर्ष 2018 में 24 जिलों के 75 तहसीलों में 1500 गांवों में 1624 जेसीबी/पोकलेन मशीनों से 8.25 लाख घंटे खनन कार्य मात्र 45 दिवस में पूर्ण किया गया. इससे 5100 करोड़ लीटर जल संग्रहण करने की क्षमता में वृद्धि हुई.

**सुजलाम सुफलाम:**

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में मार्च से जुलाई 2018 के मात्र 4 माह की अल्पावधि में 120 जेसीबी तथा 14 पोकलेन मशीनों से निर्धारित 2000 स्थलों में से 300 से भी ज्यादा जल संग्रहण क्षेत्रों का गहरीकरण किया गया.

## जैन युवक- युवती परिचय सम्मेलन

**(Matrimonial Meet)**

**उद्देश्य :** योग्य जीवन साथी चयन हेतु परिचय मंच तथा बदलते सामाजिक परिपेक्ष्यों में विवाह तय करने हेतु Expert मार्गदर्शन मंच उपलब्ध करना.

**लक्ष्य प्राप्ति: देश के विभिन्न राज्यों में 27 मेट्रीमोनियल कार्यक्रमों द्वारा 6,100 से अधिक प्रत्याशियों की परिचय सम्मेलन में सहभागिता.**

## श्री शांतीलालजी मुथ्था, लंदन (U.K.) में 'अहिंसा अवार्ड' से हुए सम्मानित

इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी एवं The Jain All Party Parliamentary Group के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर, 2018 को हाऊस ऑफ कॉमन्स, लंदन में आयोजित भव्य समारोह में आ.श्री शांतीलालजी मुथ्था को 'अहिंसा अवार्ड 2018' से सम्मानित किया गया. यह सम्मान श्री मुथ्था को लार्ड बोर्न (Minister at Department of Community & local Government), इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी के अध्यक्ष श्री नेमु चन्दरिया, The Jain All Party Parliamentary Group के अध्यक्ष श्री गेराथ थॉमस (MP), उपाध्यक्ष क्रमशः श्री बॉब ब्लैकमैन (MP) एवं लॉर्ड नवनीत ढोलकिया के संयुक्त करकमलों से प्रदान किया गया. 'अहिंसा अवार्ड' प्राप्तकर्ता श्री मुथ्था का सदन से परिचय श्री महेश गोसरानी द्वारा करवाया गया. श्री मुथ्था द्वारा किये जा रहे मानवीय-सेवाकीय कार्य व नई पीढ़ी को निश्चित आकार दिये जाने के प्रयासों को राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो रही है, यह सम्मान इस बात का प्रमाण है. इस अवसर पर श्री मुथ्था ने U.K. की पार्लियामेंट को संबोधित किया जिसे उपस्थितजन ने सराहा. भारतीय जैन संघटना परिवार इस सम्मान हेतु श्री मुथ्था का हार्दिक अभिनंदन करता है.

## दंपत्तियों का सक्षमीकरण

**दिनांक : 18-19 अगस्त, 2018**
जैन भवन,कुडाल्लोर (तमिलनाडू)
प्रशिक्षक: श्री दीपक धोका जैन , प्रतिभागी: 60

**दिनांक : 6-7 अक्टूबर, 2018**
दैनिक अक्षर विश्व – बीजेएस, उज्जैन (मध्यप्रदेश)
प्रशिक्षिका: डॉ.सोनल मेहता, भोपाल, प्रतिभागी:19

## बीजेएस ऑफिस बेयरर ट्रेनिंग प्रोग्राम

**दिनांक :20 अक्टूबर, 2018** एस.जे.पब्लिक स्कूल, जयपुर (राजस्थान)
प्रतिभागी- 25 प्रशिक्षक: श्री प्रफुल्ल पारख,पुणे

## उच्च शिक्षित जैन युवक - युवती परिचय सम्मेलन

**दिनांक: 21 अक्टूबर, 2018, रेडीशन ब्लू, दिल्ली,**
**प्रतिभागी: 250 , संचालन: श्री प्रफुल्ल पारख,पुणे**

Smart Girl
To be Happy
To be Strong

## राजस्थान राज्य में
## स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम

1. **जयपुर**: 4-5 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 48,
   प्रशिक्षिका-श्रीमती अलका ओसवाल, गंजबासोदा
2. **पाली**: 5-6 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 45,
   प्रशिक्षिका -श्रीमती संगीता चोपड़ा.
3. **झालावाड**: 5-6 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 74,
   प्रशिक्षिका -श्रीमती अनिता जैन,कोटा.
4. **टोंक**: 6-7 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 31,
   प्रशिक्षिका-श्रीमती अलका ओसवाल,गंजबासोदा.
5. **बारां**: 6-7 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 44,
   प्रशिक्षिका -श्रीमती अनिता जैन,कोटा.
6. **किशनगढ़**: 6-7 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 23,
   प्रशिक्षक-श्री बसंत वेद, किशनगढ़
7. **बूंदी**: 13-14 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 88,
   प्रशिक्षिका -श्रीमती अस्मिता देसाई,राजकोट.
8. **रावतभाटा**: 13-14 अक्टूबर, 2018, प्रतिभागी- 32,
   प्रशिक्षिका -श्रीमती अनिता जैन,कोटा.

स्कूल में स्मार्ट गर्ल्स एम्पावरमेंट का सेमीनार आयोजित

बारां

जयपुर

झालावाड (राजस्थान)

पाली (राजस्थान)

रावतभाटा (राजस्थान)

किशनगढ़ (राजस्थान)

टोंक (राजस्थान)

बूंदी (राजस्थान)

# सहर्ष निमंत्रण...

# भारतीय जैन संघटना

## राष्ट्रीय अधिवेशन-2018

## बैंगलोर

## 15-16 दिसम्बर 2018

स्थान : प्रिंसेस श्राइन (प्रिंसेस अकादमी), गेट न.09, पैलेस ग्राउंड,
बिमल हीरो के सामने, मखरी सर्किल,बैल्लारी रोड, बैंगलोर 560080 (कर्नाटक)

**प्रफुल्ल पारख**
राष्ट्रीय अध्यक्ष

**राजेंद्र लुंकर**
राष्ट्रीय महासचिव

**गौतम बाफना**
राष्ट्रीय सचिव

**ओमप्रकाश लुनावत**
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

**दिनेश पालरेचा**
राज्याध्यक्ष – कर्नाटक

**जयंतीलाल धनेशा**
राज्य सचिव- कर्नाटक

**सुरेश धोका**
क्षेत्रीय अध्यक्ष-बैंगलोर जिला

**प्रमुख आकर्षण :**

- "Jain's for India" की अवधारणा पर राष्ट्र निर्माण में सामाजिक सहभागिता को समझने का सुअवसर
- राष्ट्र निर्माण-समाज उत्थान की योजनाओं पर राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय दिग्गज वक्ताओं के विचार सुनने का अवसर
- देशहित, समाजहित एवं स्वविकास पर बीजेएस की आगामी कल्याणकारी कार्ययोजनाओं की प्रस्तुति.
- बीजेएस कार्यक्रमों पर आडियो-वीडियो प्रजेंटेशन.
- देशभर के बीजेएस पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों से मिलने व जानने-समझने का सुअवसर.

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID 4000004011
Published on 07.11.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.11.2018

If undelivered Please Return To

BJS Bharatiya Jain Sanghatana

Muttha Chambers II, Senapati Bapat Road, Pune 411016
**Tel. : 020 6605 0220**
**Website:** www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था चेम्बर्स -२ , सेनापति बापट मार्ग, पुणे – 411016 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 6605 0220